समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Friday, 25 September 2026

सूर्यकुमार यादव का बड़ा दिल : एशिया कप फाइनल के बाद मैच फीस दान कर जीते करोड़ों दिल

Publisher

Published on 29 Sep 2025

एशिया कप 2025 का फाइनल केवल क्रिकेट के लिहाज़ से ही ऐतिहासिक नहीं रहा, बल्कि इसके बाद भारतीय कप्तान **सूर्यकुमार यादव** के एक फैसले ने इस जीत को और भी खास बना दिया। पाकिस्तान को हराकर भारत ने खिताब अपने नाम किया, लेकिन मैच खत्म होने के बाद सूर्यकुमार ने जो कदम उठाया, उसने उन्हें न केवल एक सफल क्रिकेटर बल्कि एक बड़े दिल वाले इंसान के रूप में भी स्थापित कर दिया।

जीत के बाद आया बड़ा ऐलान

फाइनल मुकाबले के बाद जब भारतीय टीम ट्रॉफी के साथ जश्न मना रही थी, तभी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कप्तान सूर्यकुमार यादव ने सभी को चौंकाते हुए घोषणा की कि वे अपनी पूरी **मैच फीस भारतीय आर्मी और पहलगाम हादसे के पीड़ितों** को दान करेंगे। उनका यह फैसला खेल भावना से कहीं अधिक मानवीय संवेदनाओं का प्रतीक है।

क्यों चुना पहलगाम और भारतीय आर्मी ?

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में प्राकृतिक आपदा के कारण कई लोगों ने अपनी जान गंवाई और सैकड़ों परिवार बेघर हो गए। वहीं, भारतीय सेना दिन-रात देश की रक्षा में जुटी रहती है और आपदा प्रबंधन में भी अपनी अहम भूमिका निभाती है।
सूर्यकुमार यादव ने कहा –
“?? ???? ?????? ???? ???????? ?? ????? ?????? ????? ???? ?? ???? ???? ????? ???? ???? ?? ?????????? ?? ?????? ?????? ?? ?????????? ?? ?????? ?? ???? ?????? ?? ?? ?? ????? ???? ????? ????? ????????? ??????”

फाइनल मैच मे सूर्यकुमार का योगदान

पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल में सूर्यकुमार यादव का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने 32 रन की अहम पारी खेली और टीम को संभाला। उनके कप्तानी निर्णय, गेंदबाजों का सही इस्तेमाल और दबाव की स्थिति में संयम ने भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। यह जीत केवल उनकी बल्लेबाजी का नहीं बल्कि नेतृत्व क्षमता का भी प्रमाण है।

देशभर मे तारीफों की बौछार

सूर्यकुमार यादव के इस कदम ने उन्हें प्रशंसकों के दिलों में और ऊंचा स्थान दिला दिया है।

- सोशल मीडिया पर #ProudOfSurya और #RealHero जैसे हैशटैग ट्रेंड करने लगे।
- लाखों लोग उनके इस फैसले की सराहना कर रहे हैं।
- पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली ने भी ट्वीट कर उनकी प्रशंसा की और कहा कि सूर्यकुमार ने खेल के साथ-साथ मानवता में भी उदाहरण पेश किया है।

बीसीसीआई का बयान

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने भी सूर्यकुमार के इस फैसले की तारीफ की। सचिव जय शाह ने कहा – *"[illegible]"*

क्रिकेट से परे मानवीय पहल

अक्सर कहा जाता है कि क्रिकेट सिर्फ एक खेल है, लेकिन कई बार खिलाड़ी अपने कर्मों से इसे सामाजिक संदेश का माध्यम भी बना देते हैं। सूर्यकुमार यादव का यह फैसला इस बात का जीता-जागता उदाहरण है कि एक सफल खिलाड़ी समाज के लिए भी कितना बड़ा योगदान कर सकता है।

उनका यह कदम युवाओं के लिए प्रेरणादायक है कि सफलता का असली आनंद तब है जब आप अपने समाज और देश को कुछ वापस लौटा सकें।

क्रिकेट और देशभक्ति का संगम

भारत और पाकिस्तान का मैच हमेशा से ही करोड़ों दर्शकों के लिए भावनाओं से भरा होता है। इस बार भारत ने जीत हासिल की, लेकिन जीत से भी बड़ी कहानी सूर्यकुमार यादव की संवेदनशीलता रही। उन्होंने दिखा दिया कि क्रिकेट और देशभक्ति साथ-साथ चल सकते हैं।

प्रशंसकों की प्रतिक्रियाएँ

- एक प्रशंसक ने लिखा – *"[illegible], [illegible] 140 [illegible]"*
- एक अन्य ने कहा – *"[illegible]"*

सूर्यकुमार यादव का यह फैसला आने वाले समय तक याद रखा जाएगा। जहां एक ओर उन्होंने भारत को एशिया कप 2025 जिताकर गर्व का पल दिया, वहीं दूसरी ओर अपनी मैच फीस दान करके देश के असली हीरो – भारतीय आर्मी और आपदा पीड़ितों – के साथ खड़े होने का साहस दिखाया।

यह जीत सिर्फ एक क्रिकेट मैच की जीत नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं और राष्ट्रभक्ति की भी जीत है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect,

publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.